नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी ''बी''
महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर
स्थापित २००५ ई.
7897475917, 9794299451
Website: www.mpm.edu.in
E-mail : mpmpg5@gmail.com

पत्रांक..... दिनांक : 10-08-2019

प्रकाशनार्थ

महाराणा प्रताप पी0जी0 कालेज जंगल धूसड़, गोरखपुर के रसायन विज्ञान विभाग द्वारा ''करेन्ट इन्वर्मेंटल इसूज : प्रिडिक्शन इम्पैक्ट एण्ड सल्यूशन्स विषय पर आयोजित विशिष्ट व्याख्यान को सम्बोधित करते हुए डिपार्टमेन्ट ऑफ हाईड्रोलिक एण्ड वाटर रिर्सोस इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी डिला, विश्वविद्यालय इथोपिया के सहायक आचार्य डॉ0 सत्यनारायण ने कहा कि जल प्रदूषण सभी के लिए गम्भीर समस्या है जो विविध प्रकार से मानव जाति को प्रभावित कर रहा है। जीवन की सम्भावना को जारी रखने के साथ ही धरती के जल को बचाने के लिए हमारी आदतों में कठोर बदलाव की जरूरत है। हानिकारक रसायनिक पदार्थो की अधिकता के कारण जल प्रदूषित होते जा रहे है। जल में आवश्यक तत्वों जैसे कैल्सियम, जिंक, आयरन, पोटेशियम, अल्फा ऐमीन, बीटा ऐमीन की आवश्यक मात्रा में कमी होती जा रही है जो स्वास्थ के लिए गम्भीर समस्या उत्पन्न कर रही है। यह मानव के प्रतिरक्षा तंत्र को प्रतिकूल रूप से प्रभावित कर रही है। जिससे विभिन्न प्रकार के बिमारियों के उत्पन्न होने की आशंका बनी रहती है। हम सभी को अपना जीवन बेहतर बनाने के लिए समाज में जल प्रदूषण के बारे में जागरूकता बढ़ाने के प्रयास करने चाहिए। धरती पर जल प्रदूषण की समस्या लगातार बढ़ती जा रही है जो मानव जीवन के सभी गतिविधियों को प्रभावित कर रही है। मानव गतिविधियों, शहरी अपवाह, कृषि, उद्योग, अपशिष्ट भरावक्षेत्र एवं पशु अपशिष्ट द्वारा उत्पन्न जहरिले प्रदूषकों द्वारा पीने का शुद्ध पानी प्रदूषित होता जा रहा है। सभी प्रदूषक पर्यावरण के लिए अत्यन्त हानिकारक है। जिसके कारण जो पानी हम रोज पीते है वो बिलकुल साफ दिखाई देता है हालाकि इसमें तैरते हुए विभिन्न प्रकार के प्रदूषक तथा हानिकारक पदार्थ रहते है जो मानव स्वाथ्य के लिए गम्भीर खतरा है। वर्तमान समय में मानव के सामने जल प्रदूषित करने वाले कचरो के निस्तारण गम्भीर चुनौती उभर कर सामने आयी है। जिसमें मानव जनित प्रदूषण औद्योगिक कचरो, घरेलू सीवेज, सिंथेटिक रसायन, रेडियो धर्मिक कचरा, कीटनाशक दवाईयां आदि से होने वाले जल प्रदूषण को रोकना प्रमुख है। तभी मानव जीवन के अस्तित्व को बचा पाना सम्भव हो सकेगा।कार्यक्रम का संचालन श्रीमती प्रियंका मिश्रा, आभार ज्ञापन डॉ0 शिव कुमार वर्नवाल, ने किया।

इस अवसर पर डॉ0 रामसहाय, डॉ0 प्रदीप वर्मा, श्री गौरव तिवारी सहित एम.एस–सी रसायन शास्त्र के सभी छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

(वागीश राज पाण्डेय)
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी